डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, द थियोलॉजी ऑफ ल्यूक-एक्ट्स, सत्र 15, पीटरसन, द चर्च इन एक्ट्स, भाग 2

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन हैं जो ल्यूक-एक्ट्स के धर्मशास्त्र पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 15 है, पीटरसन, चर्च इन एक्ट्स, भाग 2।

हम लुकान धर्मशास्त्र पर अपना अध्ययन जारी रखते हैं, विशेष रूप से अब एक्ट्स की पुस्तक में, और आइए हम प्रभु के सामने झुकें।

दयालु पिता, आपके वचन के लिए धन्यवाद। हमें वही पवित्र आत्मा देने के लिए धन्यवाद, जिसने इसे पुराने समय के पैगम्बरों और प्रेरितों के माध्यम से दिया था। भगवान, हमें रोशन करें, हमें आपकी स्तुति करने, आपकी इच्छा पूरी करने और दूसरों के साथ खुशखबरी साझा करने के लिए समझ और हृदय प्रदान करें। हम यीशु के नाम पर प्रार्थना करते हैं, आमीन।

निम्नलिखित छंद, अधिनियम 2:42, अपने लोगों के बीच परमेश्वर के कार्य के बारे में बताते हैं जिन्होंने इन ईश्वरीय गतिविधियों को साझा किया। ईसाई विस्मय से भर गए, और प्रेरितों ने कई चिन्ह और चमत्कार दिखाए, श्लोक 43। अगले दो श्लोक माल और संपत्ति के एक उल्लेखनीय संयोजन का वर्णन करते हैं ताकि किसी को ज़रूरत न हो।

इसका वर्णन आगे 4:32-37 में किया गया है। बँटवारा स्वैच्छिक था। 5:3 और 4 की तुलना करें, जहां पॉल हनन्याह या सफीरा से कहता है, क्या खेत बेचने के लिए तुम्हारा नहीं था या नहीं? पैसे तुम्हारे देने लायक थे या नहीं? तो, उनका पाप देने में असफल होना नहीं था, उनका पाप झूठ बोलना था। बँटवारा स्वैच्छिक था, और परिणाम महान एकता था।

प्रेरितों के काम 4:32 से तुलना करें। वे प्रतिदिन मंदिर में एकत्र होते थे और अपने घरों में आनंद और सच्चे दिल से भोजन करते थे। परमेश्वर की स्तुति करो और सभी लोगों का अनुग्रह पाओ, श्लोक 47। परमेश्वर का अनुग्रह उनके बीच और उनकी पहुँच में स्पष्ट था, और परिणामस्वरूप, 2:47, प्रभु ने दिन-प्रतिदिन उन लोगों की संख्या में वृद्धि की जो बचाए जा रहे थे।

प्रेरितों के काम 2:42-47 हमें आरंभिक मसीहियों के दैनिक जीवन और गतिविधियों के बारे में जानकारी देता है। सबसे पहली बात यह कही जानी चाहिए कि उनका जीवन एक साझा जीवन था, जिसे मसीह में विश्वास करने वाले सभी लोग साझा करते थे। उन्होंने प्रेरितों की शिक्षा, मसीह में संगति, सामूहिक भोजन और प्रभु भोज, तथा एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करने और दूसरों तक पहुँचने के लिए खुद को समर्पित कर दिया।

बहुत से लोगों ने स्वेच्छा से सामान और पैसे बाँटे ताकि किसी को भी ज़रूरत न पड़े। इब्रानी मसीही विश्वासी मंदिर में एक साथ बहुत समय बिताते थे और एक दूसरे के घरों में भोजन बाँटते थे। वे विश्वास की ईमानदारी, आत्मा में आनन्द और परमेश्वर की स्तुति से भरे हुए थे।

वे परमेश्वर द्वारा किए जा रहे कार्यों से अचंभित थे, जिसमें प्रेरितों द्वारा किए गए चिह्न और चमत्कार शामिल थे। परमेश्वर ने उन्हें अविश्वासियों के साथ अनुग्रह प्रदान किया, और उसने कई लोगों को सुसमाचार अपनाने के लिए प्रेरित किया। हमारा चौथा अंश प्रारंभिक चर्च के सेवक, प्रेरितों के काम 6 :1-7 है। लूका प्रारंभिक चर्च की समस्याओं और विवादों को नहीं छिपाता है।

इसके बजाय, वह दिखाता है कि कैसे विश्वासियों ने उन्हें हल करने के लिए एक साथ काम किया। हेलेनिस्ट और हेब्राइस्ट के बीच एक उल्लेखनीय समस्या उत्पन्न हुई। हेलेनिस्ट वे लोग थे जो ग्रीक बोलते थे, और यहाँ वे ईसाई थे जो ऐसा करते थे।

इसके विपरीत, हेब्राइस्ट यहूदी ईसाई थे जिनकी रोज़मर्रा की बोली जाने वाली भाषा अरामी या, कम संभावना है, हिब्रू थी। बेन विदरिंगटन III, प्रेरितों के कार्य, टिप्पणी 241। ल्यूक रिपोर्ट करता है कि हेलेनिस्टों ने शिकायत की कि भौतिक वस्तुओं के दैनिक वितरण में उनकी विधवाओं की अनदेखी की जा रही थी, प्रेरितों के कार्य 6.1। जब यह बात प्रेरितों तक पहुँची, तो उन्होंने कार्रवाई की।

उन्होंने पूरे चर्च को एक साथ बुलाया और सिफारिश की कि विश्वासी सात अच्छे नाम वाले पुरुषों को चुनें, जो आत्मा और बुद्धि से भरे हों, जिन्हें हम इस कर्तव्य के लिए नियुक्त कर सकते हैं, प्रेरितों के काम 6:3। प्रेरितों को एहसास हुआ कि उनके पास परमेश्वर के वचन और प्रार्थना के अपने मंत्रालयों के अलावा विधवाओं की देखभाल करने का समय नहीं था। इन मंत्रालयों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करते हुए, उन्होंने यह विकल्प सुझाया। उनका मुख्य लक्ष्य खुद को प्रार्थना और वचन के मंत्रालय के लिए समर्पित करना था, प्रेरितों के काम 6:4। चर्च इस सुझाव से प्रसन्न था, और इसलिए उन्होंने स्टीफन को चुना, जो पवित्र आत्मा में विश्वास से भरा हुआ था, और फिलिप, प्रोखोरस, निकानोर, टिमन, परमेनस और निकोलस, जो एंटिओक से धर्मांतरित था, प्रेरितों के काम 6:5। प्रेरितों ने समस्या को हल करने में मण्डली का नेतृत्व किया और उसे शामिल किया।

यह उल्लेखनीय है कि चर्च ने हेलेनिस्ट विधवाओं की सेवा की देखरेख के लिए हेलेनिस्टों को चुना। विदरिंगटन ने स्पष्ट किया, उद्धरण, श्लोक 5 में सूची में केवल ग्रीक नाम वाले पुरुष शामिल हैं, जो निश्चित रूप से कोई दुर्घटना नहीं है। इसका मतलब यह है कि, ऐसा लगता है कि समुदाय के सभी लोग, पक्षपात की उपस्थिति से बचने के लिए, भोजन वितरण को प्रशासित करने के लिए ज्यादातर, यदि विशेष रूप से नहीं, तो ग्रीक-भाषी यहूदी ईसाइयों को नामित करते हैं।

विदरिंगटन, प्रेरितों के कार्य 250. इसके बाद, प्रेरितों ने प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर सात सेवकों को नियुक्त किया, पद 6. न केवल विश्वासी परिणाम से प्रसन्न थे, बल्कि परमेश्वर भी प्रसन्न था। क्योंकि लूका परमेश्वर के वचन के फैलने और यरूशलेम में शिष्यों की संख्या में बहुत वृद्धि करने की बात करता है।

उल्लेखनीय रूप से, इसमें "याजकों का एक बड़ा समूह" शामिल था, पद 7। प्रेरितों के काम 6:1-7 हमें नए नियम में परमेश्वर के लोगों के बारे में बताता है। उनका अस्तित्व काल्पनिक नहीं था, क्योंकि लूका एक शिकायत प्रस्तुत करता है जिसमें शुरुआती विश्वासियों को विभाजित करने की

क्षमता थी। हम सीखते हैं कि प्रेरितों ने नेतृत्व की जिम्मेदारी को नहीं छोड़ा जो उनके कंधों पर आ गई थी।

इसके बजाय, वे, हेब्रावादियों ने नेतृत्व किया, लेकिन सत्तावादी तरीके से नहीं, क्योंकि उन्होंने हेलेनिस्टों की शिकायत सुनी और अपने प्रस्तावित समाधान की पुष्टि करने के लिए विश्वासियों के पूरे समूह की बुद्धि की अपील की। प्रेरितों ने दिशा प्रदान की, क्योंकि सात उनके सामने खड़े थे और उनके द्वारा नियुक्त किए गए थे। लेकिन साथ ही, प्रेरित परमेश्वर के लोगों को खुश करना चाहते थे।

विधवाओं को कम वेतन मिलने का समाधान चर्च की संरचना और नेतृत्व दोनों में जातीय विविधता के अस्तित्व को दर्शाता है। यह ईश्वर की इच्छा थी कि हेब्राइस्ट और हेलेनिस्ट चर्च की भलाई के लिए मिलकर काम करें। जैसे ही भगवान ने उन्हें ऐसा करने के लिए प्रेरित किया, उन्होंने उनके काम पर आशीर्वाद का हाथ बढ़ाया।

ल्यूक की रिपोर्ट के अनुसार, श्लोक 7 और परमेश्वर का वचन बढ़ता गया, और यरूशलेम में शिष्यों की संख्या बहुत बढ़ गई। डेविड पीटरसन समस्या को ईश्वरीय तरीके से हल करने और चर्च के विकास के बीच एक संबंध बताते हैं। उद्धरण, जेरूसलम चर्च में संघर्ष के संतोषजनक समाधान ने सुसमाचार के इस मंत्रालय को फलने-फूलने और चर्च के विकास को और भी तेजी से संभव बना दिया।

चर्च का विकास जारी रहा क्योंकि विश्वासियों के बीच ईश्वर के वचन का मुक्त प्रवाह था, और बाहरी लोग एक प्रेमपूर्ण, एकजुट समुदाय में इसके व्यावहारिक प्रभाव को देखने में सक्षम थे और साथ ही प्रेरितों के होठों से इसकी चुनौती को सुन सकते थे। पीटरसन, प्रेरितों के कार्य, पृष्ठ 236। पाँचवाँ अनुच्छेद, ईश्वर अन्यजातियों को बचाता है, प्रेरितों के काम 10।

अधिनियम 10, 34 से 48 तक। जब डेविड पीटरसन, अपने अधिनियम टिप्पणी में, अधिनियमों के धर्मशास्त्र का 45-पृष्ठ सारांश शुरू करते हैं, तो उनका पहला शीर्षक ईश्वर और उसकी योजना है। पहला वाक्य स्वर निर्धारित करता है, "ईश्वर प्रत्यक्ष कार्रवाई और भाषण के माध्यम से अधिनियमों की कथा में अपनी शक्तिशाली उपस्थिति और उद्देश्य को प्रकट करता है। मेरे पास इन सभी छंदों को पढ़ने का कोई तरीका नहीं है। और स्वर्गदूतों और मानव दूतों के माध्यम से, फिर से, 10 छंद, जिसमें बाद वाले नियमित रूप से भगवान के चरित्र और इच्छा की घोषणा करने के लिए धर्मग्रंथ का उपयोग करते हैं। पीटरसन, प्रेरितों के कार्य, पृष्ठ 54।

अधिनियमों में कहीं भी ईश्वर की योजना अधिक प्रमुख नहीं है और उसकी उपस्थिति और उद्देश्य कॉर्नेलियस की कहानी से अधिक स्पष्ट है। पीटर के सांस्कृतिक पूर्वाग्रह को तोड़ने के लिए भगवान ने अलौकिक साधनों का इस्तेमाल किया।

गैर-यहूदी कुरनेलियुस एक रोमन सूबेदार और ईश्वर-भयभीत था, जिसका अर्थ है कि वह यहूदी धर्म के एकेश्वरवाद और नैतिकता के कारण उसकी ओर आकर्षित था, लेकिन उसने खतना के लिए समर्पण नहीं किया था। ब्रूस बताते हैं कि जिस बाधा ने पीटर के लिए कॉर्नेलियस तक

पहुंचना मुश्किल बना दिया था, वह पीटर के पक्ष में थी। "ईश्वर से डरने वाले को यहूदियों के समाज से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन एक मामूली रूढ़िवादी यहूदी भी स्वेच्छा से किसी अन्यजाति ईश्वर से डरने वाले के घर में प्रवेश नहीं करेगा, भले ही वह ऐसा था।" ब्रूस, अधिनियमों की पुस्तक, 217.

कुरनेलियुस धर्मनिष्ठ था और ईश्वर-भयभीत परिवार का नेतृत्व करता था।

उनकी प्रार्थनाएँ और परोपकार प्रसिद्ध थे। परमेश्वर ने उसे एक स्वर्गदूत के माध्यम से एक दर्शन भेजा जिसके द्वारा उसने उसे पतरस से संपर्क करने का निर्देश दिया, प्रेरितों के काम 10 :2 से 8 तक। कुरनेलियुस ने तुरंत आज्ञा का पालन किया। मैं यहां असफल हो गया हूं.

मुझे पाठ पढ़ना है. अधिनियम 10:34 से 48 तक। यह बहुत लंबा है।

यहाँ वह भाग है। इसलिए, पतरस ने अपना मुँह खोला और कहा, सच में, मैं समझता हूँ कि परमेश्वर किसी का पक्षपात नहीं करता, बल्कि हर जाति में, जो कोई उससे डरता है और जो सही काम करता है, वह उसे स्वीकार्य है। जहाँ तक उस वचन की बात है जो उसने इस्राएल को भेजा, यीशु मसीह के द्वारा शांति का सुसमाचार प्रचार करते हुए, वह सबका प्रभु है।

तुम आप ही जानते हो कि यूहन्ना के बपतिस्मा के बाद गलील से लेकर सारे यहूदिया में क्या-क्या हुआ, कि परमेश्वर ने यीशु नासरी को पवित्र आत्मा और सामर्थ से अभिषेक किया। वह भलाई करता और सब को जो शैतान के सताए हुए थे, अच्छा करता फिरा, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था। और हम उसके सब कामों के गवाह हैं, यहूदा के देश में और यरूशलेम में भी।

उन्होंने उसे एक पेड़ पर लटकाकर मार डाला, लेकिन परमेश्वर ने उसे तीसरे दिन जिलाया और उसे सब लोगों के सामने नहीं, बल्कि हम लोगों के सामने प्रकट किया जिन्हें परमेश्वर ने गवाह होने के लिए चुना था, जिन्होंने उसके जी उठने के बाद उसके साथ खाया और पिया। और उसने हमें लोगों में प्रचार करने और यह गवाही देने की आज्ञा दी कि वह जीवितों और मरे हुओं का न्यायी होने के लिए परमेश्वर द्वारा नियुक्त किया गया है। उसके लिए, सभी भविष्यद्वक्ता गवाही देते हैं कि जो कोई उस पर विश्वास करता है, उसे उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलती है।

पतरस ये बातें कह ही रहा था कि पवित्र आत्मा वचन के सब सुननेवालों पर उतर आया। और खतना किए हुए लोगों में से जो पतरस के साथ आए थे, वे चकित हुए, क्योंकि पवित्र आत्मा का दान अन्यजातियों पर भी उंडेला गया था, क्योंकि उन्होंने उन्हें भिन्न-भिन्न भाषा बोलते और परमेश्वर की स्तुति करते सुना। तब पतरस ने कहा, क्या कोई इन लोगों को बपतिस्मा देने के लिये जल रोक सकता है, जिन्हों ने हमारे समान पवित्र आत्मा पाया है? और उसने उन्हें यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी।

फिर उन्होंने उससे कुछ दिन रुकने को कहा। परमेश्वर ने कुरनेलियुस को एक स्वर्गदूत के द्वारा दर्शन भेजा, जिसके द्वारा उसने उसे पतरस से संपर्क करने का निर्देश दिया। प्रेरितों के काम 10:2 से 8। कुरनेलियुस ने तुरन्त आज्ञा मान ली, लेकिन प्रभु को पतरस के साथ कठिन समय का सामना करना पड़ा।

उसके साथ, भगवान ने अत्यधिक उपायों का सहारा लिया। अगले दिन, जब पतरस प्रार्थना करने गया, तो उसे भूख लगी और, उद्धरण के अनुसार, वह अचेत हो गया। उसने स्वर्ग के खुले होने का एक दृश्य देखा और एक वस्तु जो एक बड़ी चादर के समान थी, उसके चारों कोनों से पृथ्वी पर नीचे आ रही थी।

अधिनियम 10, पद 11। चादर में विभिन्न प्रकार के अशुद्ध जानवर थे, जिन्हें कानून, लैव्यव्यवस्था 9, ने यहूदियों को खाने से मना किया था। हालाँकि, एक आवाज़ ने कहा, उठो, पीटर, मार डालो और खाओ।

कुरनेलियुस की तत्पर प्रतिक्रिया के विपरीत, पतरस ने उत्तर दिया, नहीं, प्रभु। ओह. अधिनियम 10:14.

इसे ही हम ऑक्सीमोरोन कहते हैं। नहीं, प्रभु के साथ नहीं जाता. और पतरस ने विरोध किया, कि उसके मुंह में कभी कोई अशुद्ध वस्तु न गई।

पीटर को फिर से आवाज आई, उसे सुधारते हुए। भावार्थ: भगवान ने जिसे शुद्ध बनाया है, उसे अशुद्ध मत कहो। श्लोक 15.

दर्शन समाप्त होने से पहले, तीसरी बार आवाज़ आई, जिसमें पतरस को परमेश्वर के संदेश पर ज़ोर दिया गया। संदेश का उद्देश्य क्या था? सभी खाद्य पदार्थों को शुद्ध घोषित करना? हाँ, लेकिन यह घोषणा एक बहुत ही महत्वपूर्ण संदेश का प्रतीक थी। परमेश्वर चाहता था कि यीशु का सुसमाचार अशुद्ध, यानी अन्यजातियों तक पहुँचे।

पतरस उस दर्शन के अर्थ पर विचार कर रहा था, तभी कुरनेलियुस के दूत उसके पास आए और शमौन पतरस को बुलाने के लिए कहा। आयत 17 और 18। पवित्र आत्मा ने पतरस से बात की और उसे उन लोगों के साथ जाने के लिए कहा, क्योंकि आत्मा ने उन्हें भेजा था।

पद 19 और 20. पतरस उन लोगों से मिला जिन्होंने उसे स्वर्गदूत द्वारा कुरनेलियुस को दिए गए निर्देश के बारे में बताया कि वह पतरस से मिले और उससे संदेश माँगे। पद 21 और 22.

पतरस ने उन्हें रहने की जगह दी और अगले दिन वे कुछ यहूदी मसीहियों के साथ कैसरिया में कुरनेलियुस के घर गए। आयत 23 और 24. प्रभु इसे और अधिक स्पष्ट नहीं कर सकते थे, है न? हे भगवान।

खैर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि और जिस तरह से शुरुआती नए नियम, नए नियम में यहूदियों और यहां तक कि हिब्रू ईसाइयों ने इसे समझा, यहूदी और गैर-यहूदी के बीच का दर्शन, यह सब समझ में आता है। कुरनेलियुस पतरस की प्रतीक्षा कर रहा था और उसने रिश्तेदारों और करीबी दोस्तों को इकट्ठा किया था। वह पतरस के पैरों पर गिर पड़ा, लेकिन पतरस ने उसे डांटा और उसे खड़ा होने में मदद की।

पतरस ने लोगों के एक बड़े समूह को देखकर बताया कि कैसे उसे विदेशियों के साथ संगति करने से मना किया गया था, लेकिन परमेश्वर ने उसका मन बदल दिया था और इसीलिए वह आया था। “परमेश्वर ने मुझे दिखाया है कि मुझे किसी भी व्यक्ति को अशुद्ध या अशुद्ध नहीं कहना चाहिए।”

पद 28. तब पतरस ने पूछा कि उन्होंने उसे क्यों बुलाया था। पद 29.

कुरनेलियुस ने बताया कि कैसे परमेश्वर ने उसे पतरस को अपने घर आमंत्रित करने के लिए निर्देश देने के लिए एक स्वर्गदूत भेजा था। कुरनेलियुस ने पतरस को आने के लिए धन्यवाद दिया और कहा, इसलिए अब हम सब परमेश्वर की उपस्थिति में हैं ताकि प्रभु द्वारा तुम्हें दी गई सभी आज्ञाएँ सुनें। श्लोक 33।

गुप्त पिच के बारे में बात करें। यार, अरे यार ! पीटर ने एक उपदेश शुरू किया जिसमें बताया गया कि कैसे भगवान पक्षपात नहीं दिखाते हैं और न ही उन्हें ऐसा करना चाहिए, "प्रत्येक राष्ट्र में जो व्यक्ति उनसे डरता है और सही काम करता है वह उन्हें स्वीकार्य है।"

श्लोक 35. डेविड पीटरसन स्पष्ट करते हैं, "इसका मतलब यह नहीं है कि कॉर्नेलियस को पीटर से मिलने से पहले ही बचा लिया गया था, बल्कि यह कि गैर-यहूदी यहूदियों के समान ही मसीह के पास आने के लिए स्वीकार्य या स्वागत योग्य हैं।" पीटरसन, प्रेरितों के कार्य 335।

निस्संदेह, वह आधार मसीह में विश्वास के माध्यम से ईश्वर की कृपा है।

पतरस ने कहा कि परमेश्वर ने यीशु मसीह के माध्यम से यहूदियों को मेल-मिलाप का सुसमाचार भेजा, जो सभी का प्रभु है। श्लोक 36. ईश्वर द्वारा उसे शक्तिशाली पवित्र आत्मा देने के बाद पतरस ने यीशु के सांसारिक मंत्रालय का पूर्वाभ्यास किया ताकि वह, उद्धरण, अच्छा करने लगे और उन सभी को ठीक करने लगे जो शैतान के अत्याचार के अधीन थे।

पद 38. पतरस और अन्य प्रेरित यीशु के जीवन, मृत्यु और विशेष रूप से उसके पुनरुत्थान के गवाह थे, क्योंकि उन्होंने जी उठे मसीह के साथ खाया और पिया। परमेश्वर ने पतरस सहित प्रेरितों को यह गवाही देने के लिए नियुक्त किया कि मसीह सभी का न्यायी है।

पतरस ने इन शब्दों के साथ निष्कर्ष निकाला, उद्धरण, सभी भविष्यद्वक्ता उसके बारे में गवाही देते हैं। कि जो कोई उस पर विश्वास करता है, उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा पाता है।

पद 43. निम्नलिखित पद संकेत देते हैं कि कुरनेलियुस और उसके साथ एकत्रित लोगों ने उद्धार के लिए यीशु पर विश्वास किया। परमेश्वर ने सामर्थ्य से काम किया, उद्धरण, जब पतरस अभी भी ये शब्द बोल रहा था, पवित्र आत्मा उन सभी पर उतर आया जिन्होंने वचन सुना था।

परिणामस्वरूप, जो यहूदी विश्वासी पतरस के साथ आए थे, वे अन्यजातियों को अन्य भाषाओं में बोलते और परमेश्वर की स्तुति करते हुए सुनकर चकित रह गए, क्योंकि यह इस बात का प्रमाण था कि परमेश्वर ने उन पर अपनी आत्मा उंडेली थी, जैसा कि उसने प्रेरितों पर उस दिन डाला था।

पिन्तेकुस्त। श्लोक 45 और 46। पतरस के सुझाव पर, अन्यजातियों के विश्वासियों को पानी से बपतिस्मा दिया गया, जिसके बाद पतरस कुछ दिनों तक वहाँ रहा।

पद 47 और 48। परमेश्वर द्वारा कुरनेलियुस के परिवार और मित्रों को बचाने से परमेश्वर के नए नियम के लोगों की पहचान के बारे में हमारी समझ बढ़ती है। ल्यूक और उनके लेखन के छात्र महत्वपूर्ण घटनाओं को उजागर करने के लिए दोहराव के उनके उपयोग की ओर इशारा करते हैं।

उन्होंने एक्ट्स में तीन ऐसी घटनाओं को नोट किया है, जैसा कि हमने पहले डेनिस जॉनसन के काम में देखा था। एक, पिन्तेकुस्त पर परमेश्वर आत्मा को उण्डेल रहा है। घटना अधिनियम 2:1 से 13 में घटित होती है।

इसका अभ्यास अधिनियम 11:16 में किया गया है, और यरूशलेम परिषद, अधिनियम 15:8 में इसका उल्लेख किया गया है। इनके महत्व को रेखांकित करते हुए तीन घटनाओं को जोर देने के लिए दोहराया गया है। पिन्तेकुस्त की आत्मा को उँडेलना, प्रेरितों 2:1 से 13, 11:16, और 15:8। पॉल का रूपांतरण, अधिनियम 9:1 से 30, 22:1 से 16, 26:2 से 18। पॉल का रूपांतरण, 9:1 से 30, 22:1 से 16, 26:2 से 18।

तीन घटनाएँ, पेंटेकोस्ट, पॉल का रूपांतरण, और नंबर तीन, कुरनेलियुस का रूपांतरण बहुत महत्वपूर्ण थे। घटना, अधिनियम 10:44 से 47। रिहर्सल, 11:4 से 17, और बेहतर होगा कि आप इस पर विश्वास करें, फिर से परिषद में, 15:7, 10, 44, 47, 11:4 से 17, 15:7। क्यों क्या तीसरी पहली दो विशाल घटनाओं के साथ शामिल होने लायक है? क्या आप मेरे साथ मजाक कर रहे हैं? पेंटेकोस्ट चर्च के जीवन में एक प्रमुख परिवर्तन है।

आह! और पॉल का धर्म परिवर्तन? क्या यीशु के अलावा कोई और भी महत्वपूर्ण है, मेरी फ्रेंच भाषा को क्षमा करें? वाह! क्योंकि यह भी, कुरनेलियुस का धर्म परिवर्तन महत्वपूर्ण है और इसका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा। अब्राहमिक वाचा में पहले से ही, परमेश्वर ने अन्यजातियों को बचाने की योजना बनाई थी। उत्पत्ति 12:3। जो तुझे आशीर्वाद देगा, मैं उसे आशीर्वाद दूंगा, और जो तुझे अपमानित करेगा, मैं उसे शाप दूंगा।

यहाँ उत्पत्ति के अध्याय 12:3 में लिखा है। और तुम्हारे द्वारा पृथ्वी के सभी परिवार धन्य होंगे। उत्पत्ति 22:18 में इसहाक के बलिदान के बारे में, या लगभग उसी तरह, पौलुस कहता है, तुम्हारे वंश में पृथ्वी के सभी राष्ट्र धन्य होंगे।

परिवार और राष्ट्र, लोग, अन्यजाति दोनों। अब्राहमिक वाचा में पहले से ही, परमेश्वर ने अन्यजातियों को बचाने की योजना बनाई थी। भविष्यवक्ताओं ने भी यही भविष्यवाणी की थी।

उदाहरण के लिए, यशायाह 49:7, एक बहुत ही महत्वपूर्ण पाठ। मैं तुझे राष्ट्रों के लिए ज्योति बनाऊंगा, और मेरा उद्धार पृथ्वी की छोर तक पहुंचेगा। यशायाह 49:7। आमोस 9:10, 11, और 12 को भी जोड़ा जाना चाहिए।

और लूका अपने सुसमाचार के आरंभ और अंत में पाठकों को परमेश्वर के लोगों में गैर-यहूदी लोगों को शामिल करने के लिए तैयार करता है। शिमोन, लूका 2:32. आश्चर्यजनक रूप से, क्या शिमोन ने पूरी तरह से समझा कि उसके मुँह से क्या निकला? मुझे नहीं पता।

मुझे नहीं लगता कि भविष्यद्वक्ताओं ने, ठीक है, 1 पतरस 1 हमें बताता है कि वे हमेशा यह नहीं समझ पाते थे कि वहाँ से क्या निकला। लूका 2:32. वह शिशु यीशु को अपनी बाहों में पकड़ता है और कहता है, हे प्रभु, मेरी आँखों ने तेरा उद्धार देखा है।

एक शिशु जिसे आपने सभी लोगों की उपस्थिति में तैयार किया, अन्यजातियों के लिए प्रकाश के लिए एक प्रकाश और आपके लोगों इस्राएल के लिए महिमा के लिए। यहीं पर शुरुआत है। यहाँ एक समावेश है।

ल्यूक के सुसमाचार की शुरुआत में, हमारे पास वह है जिसे गैर-यहूदी समावेशन कहा जाता है। अंत में वैसा ही है. मैंने इन व्याख्यानों में ल्यूक 24 को कितनी बार पढ़ा है? लेकिन यह महत्वपूर्ण है.

पुनः, लूका 24:47. और पश्चाताप और पापों की क्षमा की घोषणा उसके नाम, यीशु के नाम से, यरूशलेम से शुरू करके, सभी राष्ट्रों में की जानी चाहिए। इब्राहीम की वाचा में पहले से ही, यह वाक्य बहुत महत्वपूर्ण है।

परमेश्वर ने अन्यजातियों को बचाने की योजना बनाई थी। भविष्यवक्ताओं ने भी इसी बात की भविष्यवाणी की थी। और ल्यूक अपने सुसमाचार की शुरुआत और अंत में और प्रेरितों 1:8 की शुरुआत में पाठकों को परमेश्वर के लोगों में अन्यजातियों को शामिल करने के लिए तैयार करता है। और तुम पृथ्वी के अंत तक मेरे गवाह रहोगे, डॉट, डॉट, डॉट।

हालाँकि, पूर्वानुमानित गैर-यहूदी समावेशन नहीं हुआ। एक बात भविष्यवाणी है, और आप कह सकते हैं, ठीक है, भगवान की भविष्यवाणी सच होने जा रही है। यह सच है।

लेकिन जो परमेश्वर भविष्यवाणी के सच होने की भविष्यवाणी करता है, उसका मतलब सिर्फ़ यह नहीं है कि परमेश्वर के पास भविष्य की भविष्यवाणी करने का सारा ज्ञान और क्षमता है, इसका मतलब यह भी है कि वह भविष्य के ईश्वर हैं, जो भविष्यवाणी को सच करने के लिए भविष्य को नियंत्रित करते हैं। भविष्यवाणी की गई गैर-यहूदी समावेशन तब तक नहीं हुआ जब तक परमेश्वर ने अनिच्छुक पतरस का इस्तेमाल नहीं किया। नहीं, प्रभु! अच्छाई।

बाइबल बहुत ईमानदार है; यह आश्चर्यजनक है। अन्यजातियों को उद्धार का संदेश प्रचार करने वाले एक प्रमुख यहूदी ईसाई प्रेरित, अर्थात् कॉर्नेलियस और उसके साथी। बाख स्पष्ट करते हैं कि कैसे परमेश्वर ने उद्देश्यपूर्ण और व्यक्तिगत रूप से इसे आयोजित किया।

बोक ने अपनी उत्कृष्ट पुस्तक, ए थियोलॉजी ऑफ ल्यूक एंड एक्ट्स, पृष्ठ 113, 114 में बताया है कि कैसे उन्होंने यहाँ गैर-यहूदी लोगों को शामिल करना परमेश्वर का प्रत्यक्ष कार्य है। ल्यूक-एक्ट्स में एक प्रमुख बिंदु। यही कारण है कि परमेश्वर इन घटनाओं में इतना सक्रिय है।

ये कार्य उनके निर्देश पर ही हुए हैं। यहूदियों और गैर-यहूदियों को एक समुदाय में लाने की उनकी योजना के तहत। अगर कोई गैर-यहूदियों को शामिल किए जाने के बारे में शिकायत करता है, तो उसकी शिकायत भगवान से है।

उद्धरण समाप्त करें। परिणामस्वरूप, परमेश्वर के नए नियम के लोगों में विश्वास करने वाले यहूदी और अन्यजाति दोनों शामिल हैं। वास्तव में, मसीह में विश्वास करने वाले किसी भी जातीय या राष्ट्रीय मूल के हो सकते हैं।

ऐसा इसलिए है, क्योंकि जैसा कि पतरस ने कठिन तरीके से सीखा था, "परमेश्वर पक्षपात नहीं करता।" प्रेरितों के काम 10:34। परमेश्वर के नए नियम के लोग वे हैं जो परमेश्वर और एक दूसरे के साथ मेल-मिलाप कर चुके हैं।

क्षमा करें, यीशु मसीह के द्वारा, क्योंकि, उद्धरण, वह सबका प्रभु है। प्रेरितों के काम 10:36। ऐसे लोग हैं जो जानते हैं कि यीशु, जिसे परमेश्वर ने जीवितों और मृतकों का न्यायी नियुक्त किया है।

श्लोक 42 उनका भगवान और उद्धारकर्ता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि नए नियम में परमेश्वर के लोग वे हैं जो पापों की क्षमा के लिए उस पर विश्वास करते हैं। पद 43 और बपतिस्मा लिया जाता है।

श्लोक 44. परमेश्वर के लोग नए युग के लोग हैं, यहूदी और गैर-यहूदी, जिन्होंने पवित्र आत्मा प्राप्त किया है, हालांकि अलौकिक संकेतों के साथ नहीं, जैसा कि पेंटेकोस्ट और कुरनेलियुस के प्रेरितों के मामले में हुआ था। कुरनेलियुस की कहानी में आत्मा के आठ संदर्भ मिलते हैं।

अन्यजातियों के विश्वासियों पर पड़ने वाली आत्मा के परिणामस्वरूप इस घटना को अन्यजातियों की दुनिया का पिन्तेकुस्त कहा जाता है। यह पाठ और अन्य जो आत्मा को जीवन के नए युग और वाचा से जोड़ते हैं, संकेत देते हैं कि आत्मा मोक्ष से भी जुड़ी है और नए युग का एक प्रमुख उपहार है। बॉक, ल्यूक और अधिनियमों का धर्मशास्त्र, 223।

अंत में, हम इस अनुच्छेद से सीखते हैं कि परमेश्वर के लोग उसकी पूजा करना पसंद करते हैं। हम इसे कुरनेलियुस, उसके परिवार और उसके दोस्तों में ईश्वर की स्तुति करते हुए देखते हैं। श्लोक 46.

लार्किन सटीक है. "मुक्ति का अनुभव हमेशा मुक्ति देने वाले की प्रशंसा करता है।" लार्किन, अधिनियम, 169.

तो, इस मामले में अन्यजाति विश्वासी परमेश्वर की महानता की घोषणा करते हैं। मार्ग छह. परमेश्वर उत्पीड़न के बीच अन्यजातियों के बीच संप्रभुता से कार्य करता है।

अधिनियम 13:44 से 52 तक, जिसे मैं पढ़ने जा रहा हूँ। अगले सब्त के दिन, लगभग पूरा शहर प्रभु का वचन सुनने के लिए पिसिडियन अन्ताकिया में एकत्र हुआ। परन्तु जब यहूदियों ने भीड़

को देखा, तो वे डाह से भर गए, और पौलुस की बातों का खंडन करने लगे, और उसकी निन्दा करने लगे।

यहां, प्रेरितिक मंत्रालय का विरोध ईर्ष्या पर आधारित है। कितना क्षुद्र, जिसका वास्तविक अर्थ अभिमान है। और पौलुस और बरनबास ने निडरता से कहा, यह अवश्य है, कि परमेश्वर का वचन पहिले तुम को सुनाया जाए, क्योंकि तुम ने उसे दरकिनार कर दिया है, और अपने आप को अनन्त जीवन के योग्य नहीं ठहराया है।

देखो, हम अन्यजातियों की ओर फिर रहे हैं। क्योंकि प्रभु ने हमें ऐसा कहने की आज्ञा दी है, और वह यशायाह 49:6 को उद्धृत करता है। मुझे माफ़ करें। हाँ, 49:6 सही है।

क्योंकि यहोवा ने यही आज्ञा दी है, क्योंकि यहोवा ने हमें यह कहकर आज्ञा दी है, कि मैं ने तुझे अन्यजातियोंके लिये ज्योति ठहराया है, कि तू पृथ्वी की छोर तक उद्धार पहुंचाए। वहाँ फिर से यशायाह मार्ग है। और जब अन्यजातियों ने यह सुना, तो वे आनन्दित हुए और प्रभु के वचन की महिमा करने लगे।

और जितनों को अनन्त जीवन के लिये नियुक्त किया गया था, उन्होंने विश्वास किया। और यहोवा का वचन सारे क्षेत्र में फैल गया, फैल गया। परन्तु यहूदियों ने प्रतिष्ठित स्त्रियों और नगर के मुख्य पुरूषों को भड़काया, और पौलुस और बरनबास पर उपद्रव भड़काया, और उन्हें अपने जिले से निकाल दिया।

परन्तु उन्होंने अपने पांवों की धूल उन पर झाड़ दी, और इकुनियुम को चले गए। और चेले आनन्द और पवित्र आत्मा से भर गए। उत्पीड़न के बीच भी परमेश्वर यहूदियों और अन्यजातियों के बीच शांति से काम करता है, अधिनियम 13:44 से 52 तक।

अपनी पहली मिशनरी यात्रा पर, पॉल ने एंटिओक, पिसिदिया में एक आराधनालय में एक धर्मोपदेश दिया, जिसमें उन्होंने निर्गमन से लेकर जंगल में भटकने, कनान की विजय, न्यायाधीशों, शाऊल के शासनकाल और फिर राजा डेविड के माध्यम से इज़राइल के इतिहास का पता लगाया। डेविडिक वाचा के वादों के आधार पर, पॉल घोषणा करता है कि ईश्वर से, डेविड से, क्षमा करें, पॉल घोषणा करता है कि डेविड से, उद्धरण, ईश्वर इसराइल में उद्धारकर्ता यीशु को लाया, अधिनियम 13:23। पॉल ने जॉन द बैपटिस्ट मंत्रालय और मसीहा के आने की भविष्यवाणी को जॉन से कहीं अधिक महान बताया, छंद 24 और 25।

शायद जॉन बैपटिस्ट ने नए नियम में हमारी समझ से ज़्यादा भूमिका निभाई है। वाह। पॉल ने अपने साथी यहूदियों और ईश्वर-भक्तों से कहा कि ईश्वर ने उनके लिए उद्धार का संदेश भेजा है।

पौलुस ने संक्षेप में बताया कि कैसे यरूशलेम में यहूदियों और अन्यजातियों ने मिलकर अनजाने में यीशु को क्रूस पर चढ़ाकर पुराने नियम की भविष्यवाणियों को पूरा किया, हालाँकि वह निर्दोष था, पद 26 से 29। परमेश्वर ने यीशु को मृतकों में से उठाया जो कई गवाहों के सामने प्रकट हुआ, जिन्होंने बदले में उस सुसमाचार की घोषणा की जिसका वादा परमेश्वर ने उनके पूर्वजों से किया

था, पद 30 से 32। पौलुस ने पुराने नियम के उन अंशों का हवाला दिया जो मसीहा के आगमन की भविष्यवाणी करते हैं, भजन 2:7, यशायाह 55:3, और भजन 16:10।

और पौलुस ने घोषणा की कि वे दाऊद में नहीं, बल्कि यीशु और उसके पुनरुत्थान में पूरे हुए, प्रेरितों के काम 13:33 से 37। फिर पौलुस प्रचार करता है कि यीशु के ज़रिए उद्धार में पापों की क्षमा शामिल है। वह क्षमा के बारे में विस्तार से बताता है कि कामों से नहीं, बल्कि मसीह में विश्वास से औचित्य सिद्ध होता है, आयत 38 से 39।

प्रेरितों के काम में, लूका अक्सर मसीह की प्रायश्चित मृत्यु के परिणामों के बारे में बात करता है, लेकिन उस प्रायश्चित के बारे में बहुत कम। एक स्पष्ट स्थान। प्रेरितों के काम 20:28 देखें।

परमेश्वर की कलीसिया, जिसे प्रभु ने, कुछ हस्तलिपियों में कहा है, प्रभु की कलीसिया, कुछ हस्तलिपियों में कहा गया है कि परमेश्वर की कलीसिया, जिसे उसने अपने खून से खरीदा है। केवल यहाँ उसने औचित्य, उस शब्द का उल्लेख किया है। प्रेरितों के काम 13:40, और 41 में हबक्कूक 1:5 से उन लोगों पर न्याय की चेतावनी दी गई है जो परमेश्वर के काम को नहीं देखते हैं।

जैसा कि लार्किन ने दर्शाया है, उद्धरण, मुक्ति के प्रस्ताव के समानांतर, उन लोगों के लिए न्याय की चेतावनी है जो यह पहचानने में विफल रहते हैं कि परमेश्वर यीशु के माध्यम से उद्धार को प्रभावित कर रहा है। मुक्ति के प्रस्ताव के समानांतर न्याय की चेतावनी है। लार्किन, अधिनियम, 204।

लोगों ने पौलुस और बरनबास से आग्रह किया कि वे अगले सब्त के दिन इन बातों के बारे में और अधिक बताएँ। आराधनालय की सेवा के बाद, विश्वासी यहूदी और यहूदी धर्म अपनानेवाले प्रेरितों के पीछे चले गए ताकि परमेश्वर के अनुग्रह के बारे में और अधिक जान सकें। प्रेरितों के काम 13:42, 43.

अगले शनिवार को, पौलुस और बरनबास के मुँह से प्रभु का वचन सुनने के लिए पिसिदिया के अन्ताकिया में एक बड़ी भीड़ इकट्ठी हुई। प्रेरितों के काम 13, 4. प्रेरितों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग आए थे, यह देखकर यहूदियों ने ईर्ष्या के कारण पौलुस की बातों का खंडन किया और उसे अपमानित किया। श्लोक 44.

मिशनरियों ने निर्भीकता के साथ उत्तर दिया, यह आवश्यक है कि ईश्वर का वचन पहले आपको सुनाया जाए। चूँकि तुम इसे अस्वीकार करते हो और अपने आप को अनन्त जीवन के अयोग्य समझते हो, इसलिए हम अन्यजातियों की ओर फिर रहे हैं। श्लोक 46.

ध्यान दें, "भगवान का वचन" मैथ्यू, मार्क और जॉन की तुलना में ल्यूक-एक्ट्स में कई बार आता है। पौलुस और बरनबास, शब्द, परमेश्वर का वचन। पॉल और बरनबास अन्यजातियों को सुसमाचार प्रचार करने के अपने आदेश के रूप में यशायाह 49, 6 का हवाला देते हैं।

“पृथ्वी की छोर तक उद्धार लाने के लिये मैंने तुम्हें अन्यजातियों के लिये ज्योति बनाया है।” क्या यीशु प्रकाश नहीं है? हाँ, लेकिन यीशु के माध्यम से, उसके प्रतिनिधि भी हैं। अपने मूल संदर्भ में, वह कविता यशायाह के प्रभु के सेवक, इस्राएल राष्ट्र के बारे में बात करती है, सबसे पहले, और फिर दूसरे, एक व्यक्तिगत इस्राएली जो राष्ट्र के लिए खड़ा होता है।

ल्यूक 2:32 स्वयं यीशु को यशायाह के शब्दों की मूलभूत पूर्ति के रूप में पहचानता है, और यहां ल्यूक इसे पॉल और बरनबास पर लागू करता है। हॉवर्ड मार्शल इन सच्चाइयों को एक साथ जोड़ता है। मार्शल, अधिनियम, पृष्ठ 230।

उद्धरण, आरंभिक ईसाइयों ने यीशु में भविष्यवाणी की पूर्ति देखी। अधिनियम 8:32 से 35 में यशायाह 53:7, और 8 के उद्धरण की तुलना करें। लेकिन वर्तमान परिच्छेद का दावा है कि प्रारंभिक ईसाइयों ने यीशु में यशायाह की भविष्यवाणी की पूर्ति देखी, लेकिन वर्तमान परिच्छेद का दावा है कि सेवक का मिशन भी है यीशु के अनुयायियों का कार्य.

इस प्रकार, इस्राएल का कार्य, जिसे वह पूरा करने में विफल रहा, यीशु के पास चला गया और फिर नए इस्राएल के रूप में उसके लोगों के पास। यह दुनिया के सभी लोगों तक रहस्योद्घाटन और उद्धार का प्रकाश लाने का कार्य है। यशायाह 49:6 के स्पष्ट संकेत की तुलना करें, जो पहले से ही लूका 2:29 से 32 में, शिमोन के मुंह से है।

ये शब्द सुनकर, अन्यजातियों ने आनन्द मनाया और प्रभु के वचन का आदर किया। पद, प्रेरितों के काम 13:48। वे बहुत प्रसन्न थे कि सुसमाचार, यीशु में उद्धार का संदेश उनके लिए था।

उन्होंने प्रेरितों द्वारा यशायाह से उद्धृत शब्दों पर विश्वास किया, और उन्होंने यीशु पर विश्वास किया। हालाँकि कुछ लोग दावा करते हैं कि परमेश्वर का चुनाव पूर्वानुमेय विश्वास पर आधारित है, यह शास्त्र के क्रम को उलट देता है। क्योंकि लूका ने आगे कहा, और जो लोग अनन्त जीवन के लिए नियुक्त किए गए थे, उन्होंने विश्वास किया।

श्लोक 48. बैरेट सीधे-सादे हैं। सी.के. बैरेट, अधिनियम 1 से 14, अंतर्राष्ट्रीय आलोचनात्मक टिप्पणी [ICC]। पृष्ठ 658. बैरेट के दो खंड संभवतः विद्वत्ता के लिए बेजोड़ हैं। दुर्भाग्य से, वह हमेशा ल्यूक को एक भरोसेमंद इतिहासकार के रूप में नहीं मानते हैं, और इसलिए एक ईसाई को उनकी $100 की टिप्पणियों, प्रत्येक खंड को सावधानी से संभालना चाहिए, या शायद बिल्कुल भी नहीं, और विद्वानों को भी सावधान रहना चाहिए।

बैरेट सीधे-सादे हैं, लेकिन अगर, जॉन के सुसमाचार के साथ भी ऐसा ही है, तो वह आपको बताता है कि इसका क्या मतलब है, चाहे वह इस पर विश्वास करे या नहीं, मुझे यकीन नहीं है। बैरेट सीधे-सादे हैं। उद्धरण, वर्तमान श्लोक पूर्ण पूर्वनियति, ईश्वर के शाश्वत उद्देश्य का एक बिना शर्त वाला कथन है, वह कैल्विन का हवाला देते हैं, जैसा कि नए नियम में कहीं भी पाया जाता है।

जो लोग विश्वास करते हैं, उन्हें परमेश्वर द्वारा नियुक्त किया जाता है, निष्क्रिय अर्थ है कि ऐसा करना चाहिए। उद्धरण समाप्त करें। मैंने जॉन के सुसमाचार पर सीके बैरेट से बहुत कुछ सीखा।

मैंने पेंसिल्वेनिया के हैटफील्ड में बाइबिल थियोलॉजिकल सेमिनरी में दस साल तक न्यू टेस्टामेंट और धर्मशास्त्र दोनों में पढ़ाया। एक दिन स्कूल के हॉल में एक छात्र ने पूछा, डॉक्टर, क्या आपने जॉन पर बैरेट की टिप्पणी का परिचय पढ़ा है? मैंने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैंने पढ़ा है या नहीं। वह कहता है, जहाँ वह कहता है, वह नहीं जानता कि यीशु ने वास्तव में ये बातें कीं या कही थीं।

हम दोनों चौंक गए, क्योंकि टिप्पणी स्वयं बहुत अच्छी तरह से समझाती है कि यीशु ने क्या कहा और क्या किया, जो कि, निश्चित रूप से, मेरे छात्र और मुझे विश्वास है कि मामला था। एक आदमी जिसने सवाल उठाया, वैसे भी, सबूत पुडिंग में है। और जॉन इवांस की दोनों नियमों की टिप्पणियों के लिए प्रसिद्ध गाइड कहती है कि प्रेरितों के काम के लिए, सबसे अच्छी अकादमिक टिप्पणी सीके बैरेट द्वारा की गई है।

सावधान रहें। वह एक आलोचनात्मक विद्वान हैं। अच्छी बात कही। दोनों बातें अच्छी तरह कही गई हैं।

और यहाँ, वह सही ढंग से कहता है, अधिनियम 13:48 बिना शर्त चुनाव या पूर्ण पूर्वनियति सिखाता है। ऐसा नहीं है कि ईश्वर आस्था को पहले से देखता है और लोगों को चुनता है। यह वह है जिन्हें ईश्वर द्वारा अनन्त जीवन के लिए नियुक्त किया गया है, उन्होंने पहले विश्वास किया था।

आस्था ईश्वर की संप्रभु पसंद का परिणाम है, न कि इसके विपरीत। हम अगली बार, जैसा कि आम तौर पर अधिनियमों में होता है, प्रेरितिक उपदेश के विपरीत प्रतिक्रियाओं का सामना करते हैं। सकारात्मक पक्ष पर, प्रभु का वचन पूरे क्षेत्र में फैल गया, श्लोक 49।

इसके विपरीत, यहूदियों ने प्रसिद्ध, ईश्वर-भयभीत महिलाओं और शहर के प्रमुख लोगों को भड़काया, जिसके परिणामस्वरूप पॉल और बरनबास को सताया गया और क्षेत्र से बाहर निकाल दिया गया, श्लोक 50। जवाब में, मिशनरियों ने उनकी धूल झाड़ दी पैर उठाए और आगे बढ़ गए, 51. जिन लोगों ने विश्वास किया, वे आनन्द और पवित्र आत्मा से भर गए, पद 52।

ल्यूक, एक्ट्स, में आनंद के कई संदर्भ हैं, जिसका अर्थ निश्चित रूप से अन्य सुसमाचारों से कहीं अधिक है। प्रेरितों के काम 13:48-52 हमें परमेश्वर के नए नियम के लोगों के संबंध में कम से कम पाँच बातें सिखाता है। संक्षेप में, सबसे पहले, वे यहूदी और अन्यजाति हैं जिन्हें परमेश्वर ने उद्धार के लिए चुना, प्रेरितों के काम 13:26-48। मोक्ष के पीछे परमेश्वर का शाश्वत चुनाव है, इफिसियों 1:4, 2 तीमुथियुस 1:9। उसके लोगों में से, अधिनियम 13.48.

दूसरा, भगवान ने मुक्ति का संदेश भेजा, पद 26, जो भगवान की कृपा से उत्पन्न होता है, पद 43। भगवान ने मोक्ष का संदेश भेजा जो उनकी कृपा से उत्पन्न होता है।

तीसरा, वे प्रेरित में विश्वास करते हैं, परमेश्वर के नए नियम के लोग मसीहा उद्धारकर्ता और उनके उत्कर्ष के बारे में पुराने नियम की भविष्यवाणियों, श्लोक 33-37 के संबंध में प्रेरित के संदेश में विश्वास करते हैं। वे यीशु के यहूदी और रोमन मूल्यांकन को अस्वीकार करते हैं जिसके कारण

उन्हें क्रूस पर चढ़ाया गया और पिता के मूल्यांकन पर खुशी मनाते हैं, जिन्होंने अपने बेटे को अपने दाहिने हाथ पर खड़ा करके उसे सही साबित किया।

चौथा, वे क्षमा और औचित्य के लिए यीशु पर विश्वास करते हैं, आयत 38-39।

पाँचवाँ, वे प्रेरित के उदाहरण का अनुसरण करते हैं और यीशु के लिए उत्पीड़न सहने के लिए तैयार हैं, आयत 50।

छठा, नए नियम के विश्वासियों को, हालाँकि उन्हें कभी-कभी उत्पीड़न सहना पड़ता है, वे सुसमाचार द्वारा दिए गए आनन्द और पवित्र आत्मा से भर सकते हैं, एफएफ ब्रूस, प्रेरितों के काम की पुस्तक, पृष्ठ 285।

हमारे अगले व्याख्यान में, हम प्रेरितों के काम की पुस्तक में परमेश्वर के लोगों के बारे में अपना संक्षिप्त विवरण जारी रखेंगे और फिर अन्य मामलों पर आगे बढ़ेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा लूका-प्रेरितों के काम के धर्मशास्त्र पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 15 है, पीटरसन, प्रेरितों के काम में कलीसिया, भाग 2।